पाठ 6. होली आई

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य होली के त्योहार में रंगों का महत्व, हँसी-खुशी तथा होली से मिलने वाली सीख को बच्चों तक पहुँचाना है। इस कविता द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।

कविता का सार

होली का त्योहार फाल्गुन के महीने में आता है। इस मौसम में खेतों में सरसों और गेहूँ की बालियाँ लहरा-लहरा कर होली के आने का संदेश दे रही होती हैं। इसी समय पर आम के पेड़ भी फलों से लद जाते हैं। घर-आँगन, खेत-खलिहान में चारों ओर ताज़गी से भरी सुहानी हवा बह रही होती है। लगता है कि हवा भी होली के रंगों में रंग कर नई और रंग-बिरंगी हो गई है। रंग खेलने वाली होली से एक रात पूर्व चौराहों पर होलिका जलाई जाती है। जिसकी खुशी में अगले दिन लोग एक-दूसरे को होली मुबारक करते हुए गुलाल लगाकर अपनी खुशी प्रकट करते हैं। सभी लोग रंगों में डूब जाते हैं और चारों तरफ़ केवल रंगों में डूबा हुआ प्यार तथा स्नेह ही नज़र आता है।

अध्यापन संकेत

कविता पढ़ाने से पूर्व बच्चों से त्योहारों के बारे में चर्चा करें। पूछें कि उन्हें कौन-कौन से त्योहार अच्छे लगते हैं। क्या उन्हें होली खेलना अच्छा लगता है आदि। उन्हें बताएँ कि आज हम होली की कविता पढ़ेंगे। उचित लय, तान तथा स्वर के उतार-चढ़ाव के साथ कविता का वाचन कीजिए। बच्चों को भी इसी प्रकार वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।
बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए–

- कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। **'सरसों फूली, गेहूँ लहका, अमराई का आँगन महका'**–पंक्तियों का अर्थ बताएँ कि सरसों और गेहूँ की फसलें रबी अर्थात् सर्दी की फसलें होती हैं इसलिए जब होली आती है तब ये फसलें पक गई होती हैं।
- बच्चों को होलिका और प्रहलाद से जुड़ी कहानी सुनाएँ और उन्हें बताएँ कि होली क्यों मनाई जाती है।
- उन्हें बताएँ कि 'फागें' एक प्रकार के होली के गीत होते हैं।
- होली से मिलने वाला संदेश बच्चों को समझाएँ। होली बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है। इसे हँसी-खुशी से मनाना चाहिए। इस अवसर पर किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए।
- वे होली कैसे खेलते हैं। कहीं वे पानी के गुब्बारे तो लोगों पर नहीं फेंकते, यदि वे ऐसा करते हैं तो उन्हें समझाएँ कि इस तरह से दूसरों को नुकसान पहुँच सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।